DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

2 December, 2023

हरित शिपिंग

संदर्भ: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने 'ग्रीन इनलैंड वेसल्स ट्रांजिशन' पर एक कार्यशाला के दौरान ग्रीन शिपिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- MoPSW ने 'MIV 2030' और 'अमृतकाल विज़न 2047' के उद्देश्यों के अनुरूप सक्रिय रूप से शुद्ध शून्य उत्सर्जन का समर्थन किया है।
- सरकार हरित सतत परिवहन को साकार करने में समुद्री क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।
- MoPSW की पहल 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' और 'हरित सागर दिशानिर्देश' के इसी लक्ष्यों की पूरक हैं।
- **नौवहन का पर्यावरणीय प्रभाव**
  - वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला शिपिंग पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जो CO2 और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की बढ़ती हिस्सेदारी में योगदान करती है।
  - अकेले समुद्री क्षेत्र 940 मिलियन टन CO2 उत्सर्जित करता है, जो कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 2.5% है।
  - जहाज पारंपरिक रूप से भारी ईंधन तेल का उपयोग करते हैं जिसमें सल्फर उत्सर्जन होता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है और अम्लीय वर्षा का कारण बनता है।
  - आईएमओ सल्फर 2020 ने जहाजों को 1 जनवरी, 2020 से 0.50% से कम सल्फर उत्सर्जित करने वाले वैकल्पिक ईंधन तेल पर स्विच करने का आदेश दिया है, जिसका लक्ष्य एसओएक्स उत्सर्जन में 77% की कमी लाना है।
- **ग्रीन (हरित) शिपिंग क्या है?**
  - ग्रीन शिपिंग पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए समुद्री परिवहन में संसाधन और ऊर्जा के उपयोग को कम करने पर जोर देती है।
  - **हरित शिपिंग के लिए रणनीतियाँ:**
    - **वैकल्पिक ईंधन के रूप में एलएनजी:**
      - ✓ वैकल्पिक ईंधन विकल्प SOx और NOx उत्सर्जन को कम करते हुए CO2 को 20% तक कम करता है।
      - ✓ इस सन्दर्भ में सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर ध्यान देने की तत्काल जरूरत है।
    - **धीमी गति से भाप लेना (Slow Steaming):**
      - ✓ यह जहाज की गति को 10% कम करके, उत्सर्जन को 19% तक कम करने की कुशल विधि है।
      - ✓ आर्थिक और पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी, पोर्ट कॉल के दौरान ऊर्जा की खपत को कम करना है।
    - **खाली कंटेनरों को कम करना:**
      - ✓ कंटेनरों को साझा करने के लिए वाहकों के बीच सहयोग, शिपिंग लागत और खाली कंटेनरों से CO2 उत्सर्जन को कम करना।

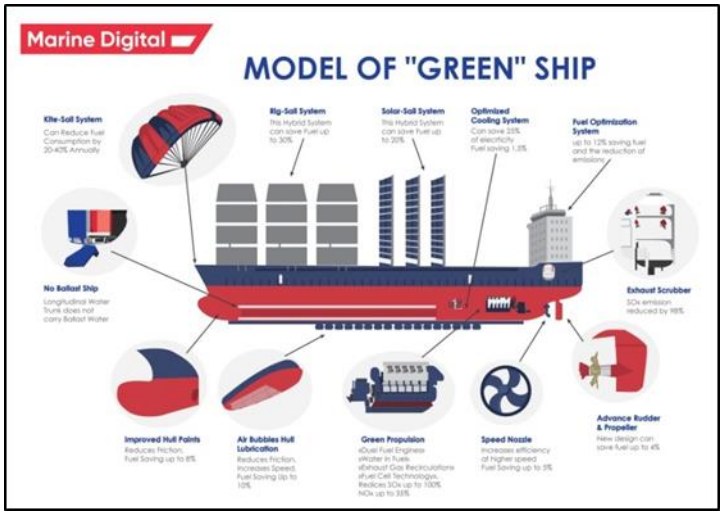

    - **जल प्रबंधन:**
      - ✓ पारिस्थितिक खतरों को रोकने के लिए निस्पंदन और इलेक्ट्रो-क्लोरीनीकरण का उपयोग करते हुए उन्नत गिट्टी जल प्रबंधन प्रणालियों को अपनाना।
    - **नवीकरणीय ऊर्जा:**
      - ✓ जहाजों को बिजली देने के लिए पवन और सौर ऊर्जा का उपयोग करना, ईंधन की खपत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
  - **भारत में हरित शिपिंग पहल:**
    - ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन ग्रीन पोर्ट एंड शिपिंग (एनसीओईजीपीएस) लॉन्च करते हुए भारत को आईएमओ ग्रीन वॉयेज 2050 प्रोजेक्ट के लिए चुना गया।
    - यह मेथनॉल, अमोनिया और हाइड्रोजन जैसे गैर-जीवाश्म ईंधन समाधानों की ओर स्थानांतरित करने के लिए हाइब्रिड प्रणोदन प्रणालियों द्वारा संचालित है।
    - भारत का लक्ष्य प्रमुख बंदरगाहों में 60% नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करना है, जिससे 2030 तक प्रति टन कार्गो पर कार्बन उत्सर्जन में 30% की कमी आएगी।
    - पारादीप बंदरगाह, दीनदयाल बंदरगाह, और वी.ओ. चिदम्बरम पोर्ट ने 2030 तक हरित हाइड्रोजन के प्रबंधन, भंडारण और उत्पादन के लिए हाइड्रोजन हब नामित किया है।
    - भारत में समुद्री क्षेत्र और जीवंत नीली अर्थव्यवस्था के लिए समुद्री विजन दस्तावेज़ 2030 लॉन्च किया गया है।

चक्रवात मिचौंग

संदर्भ: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार, 3 दिसंबर को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मिचौंग नामक चक्रवाती तूफान के आने की भविष्यवाणी की है।

- चक्रवात मिचौंग के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में टकराने की आशंका है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने रविवार और सोमवार के लिए तमिलनाडु, तटीय और आंतरिक आंध्र प्रदेश के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है।

- यह चक्रवात बंगाल की खाड़ी में वर्ष का चौथा उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) चक्रवातों को दो मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत करता है: अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात और उष्णकटिबंधीय चक्रवात।

चक्रवात:

- चक्रवात गतिमान हवा की प्रणाली है जो कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र के चारों ओर घूमती है, साथ ही गंभीर तूफान और प्रतिकूल मौसम की स्थिति उत्पन्न करती है।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, चक्रवात की विशेषता अंदर की ओर घूमने वाली हवाएं होती हैं जो उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त घूमती हैं।

अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात:

- अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जिन्हें मध्य-अक्षांश चक्रवात के रूप में भी जाना जाता है, कर्क रेखा और मकर रेखा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से परे, उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के बाहर होते हैं।
- इन चक्रवातों के मूल में ठंडी हवा होती है और ये ठंडी और गर्म वायुराशियों की परस्पर क्रिया के दौरान संभावित ऊर्जा के निकलने से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।
- अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवातों में हमेशा एक या एक से अधिक फ्रंट जुड़े होते हैं, जो विभिन्न वायु द्रव्यमानों, जैसे गर्म और ठंडी हवा के बीच की सीमाएँ निर्मित करते हैं।
- ये भूमि और महासागर दोनों पर हो सकते हैं।

ऊष्णकटिबंधी चक्रवात:

- उष्णकटिबंधीय चक्रवात मकर और कर्क रेखा के बीच के क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं और ये पृथ्वी पर सबसे विनाशकारी तूफान होते हैं।
- ये चक्रवात तब बनते हैं जब तूफान की गतिविधि परिसंचरण के केंद्र के करीब बनती है, साथ ही सबसे तेज़ हवाएं और बारिश केंद्र से नजदीक होती हैं।
- तूफान का केंद्र गर्म हो जाता है, और चक्रवात अपनी अधिकांश ऊर्जा गर्म समुद्र के पानी से वाष्पित होकर तरल पानी में वाष्प के संघनन के दौरान निकलने वाली गुप्त गर्मी से प्राप्त करता है।
- अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के विपरीत, उष्णकटिबंधीय चक्रवात गर्म वाताग्र या ठंडे वाताग्र से जुड़े नहीं होते हैं।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को उनके स्थान और प्रवणता के आधार पर अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे कैरेबियन सागर, मैक्सिको की खाड़ी, उत्तरी अटलांटिक महासागर और पूर्वी और मध्य उत्तरी प्रशांत महासागर में तूफान। पश्चिमी उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में इन्हें टाइफून कहा जाता है।

India Meteorological Department
Tropical Cyclone Intensity Scale

Category	Sustained winds (3-min average)
Super Cyclonic Storm	≥120 kt ≥221 km/h
Extremely Severe Cyclonic Storm	90–119 kt 166–220 km/h
Very Severe Cyclonic Storm	64–89 kt 118–165 km/h
Severe Cyclonic Storm	48–63 kt 89–117 km/h
Cyclonic Storm	34–47 kt 63–88 km/h
Deep Depression	28–33 kt 51–62 km/h
Depression	17–27 kt 31–50 km/h

वैश्विक सूखा मानचित्र

संदर्भ: वैश्विक सूखा मानचित्र से पता चलता है कि 23 देशों ने 2022-23 में सूखे की आपात स्थिति की घोषणा की है, जो दुनिया भर में गंभीर सूखे की स्थिति के व्यापक प्रभाव को संरेखित करती है।

- **वैश्विक सूखा आपातकालीन घोषणाएँ:**
  - भारत सहित 23 देशों ने वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय या उप-राष्ट्रीय स्तर पर सूखे की आपात स्थिति घोषित की है।
  - वैश्विक सूखा मानचित्र से प्राप्त यह डेटा संयुक्त राष्ट्र द्वारा संकलित किया गया है।
- **यूएनसीसीडी रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं:**
  - संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (यूएनसीसीडी) द्वारा वैश्विक सूखा मानचित्र रिपोर्ट जारी की गई।
  - इसमें सूखे के गंभीर प्रभाव पर जोर दिया गया, जो मानव जीवन के आर्थिक नुकसान का कारण बनता है और विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करता है।
- **सूखे से प्रभावित जनसंख्या:**
  - यूएनसीसीडी के 101 पक्षों की रिपोर्टिंग पर आधारित डेटा के अनुसार 1.84 अरब लोग सूखे से प्रभावित थे, जिनमें से 4.7% गंभीर या अत्यधिक सूखे की चपेट में थे।।
- **क्षेत्रीय आपातकालीन घोषणाएँ:**
  - यूरोप में आपातकालीन घोषणाओं की संख्या सबसे अधिक (8) थी, जिसमें स्पेन, इटली, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीस, पुर्तगाल, रोमानिया और सर्बिया जैसे देशों ने सर्वाधिक आपातकाल की घोषणा की।
  - यूरोप को व्यापक सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ा, 2022 में इसका सबसे बड़ा प्रभावित क्षेत्र दर्ज किया गया।

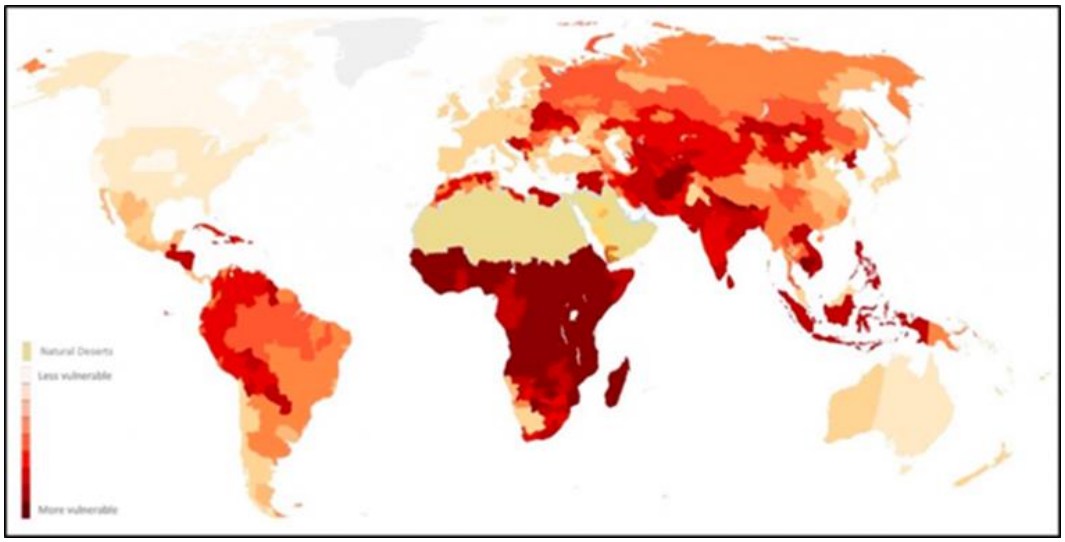

- **वैश्विक सूखे की प्रवृत्ति:**
  - वैश्विक स्तर पर आज सूखे का क्षेत्र और तीव्रता में विस्तार हुआ है , जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा जैसे देश प्रभावित हुए।
  - एशिया में 2022-23 के दौरान भारत, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान और चीन में सूखे की आपात स्थिति देखी गई।
- **2023 में गर्मी**:
  - 2023 में विश्व स्तर पर गर्मी से संबंधित कई रिकॉर्ड दर्ज किए गए, 17 नवंबर को तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया।
- **सूखे के व्यापक प्रभाव:**
  - सूखे के व्यापक प्रभाव से जलाशयों का स्तर घटता है, फसल की पैदावार घटती है, जैव विविधता का नुकसान होता है, अकाल और महत्वपूर्ण आर्थिक परिणाम होते हैं।
  - सूखे के व्यापक प्रभाव से सालाना अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है।
- **वैश्विक सूखा भेद्यता सूचकांक 2023:**
  - उरुग्वे, नाइजर, जिबूती, काबो वर्डे और मॉरिटानिया सहित पारंपरिक सूखा-प्रवण क्षेत्रों के बाहर कई देशों ने सूखे की आपात स्थिति घोषित कर दी है।
  - हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका को 40 वर्षों में सबसे भीषण सूखे का सामना करना पड़ा, जिसका प्रभाव इथियोपिया, केन्या और सोमालिया पर पड़ा।
- **मानव-प्रेरित सूखे का कम रिपोर्ट किया गया प्रभाव:**
  - मानव-प्रेरित सूखे के व्यापक प्रभाव परिक्ष रूप से सामने आ रहे हैं, जो अक्सर तत्काल सार्वजनिक और राजनीतिक ध्यान से बच जाते हैं।
  - सूखे पर किसी का ध्यान नहीं जाता, जिससे उपेक्षा का चक्र कायम हो जाता है।
- **रिसर्च गैप और यूएनसीसीडी पहल:**
  - पिछले दो दशकों में, केवल 26% वैज्ञानिक अनुसंधान ने सूखे के खतरों की अवधि और तीव्रता पर समाज के प्रभाव को मापा है।
  - यूएनसीसीडी समाज और सूखे के जोखिम के बीच दीर्घकालिक गतिशीलता का पता लगाने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता पर जोर देता है।
- **वैश्विक सूखा भेद्यता सांख्यिकी:**
  - सूखे से प्रभावित 85% लोग निम्न या मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं।
  - 2022 में 32.6 मिलियन नए आपदा विस्थापनों में से 98% तूफान, बाढ़ और सूखे जैसे मौसम संबंधी खतरों के परिणामस्वरूप हुए।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और गठबंधन:**
  - इस रिपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय सूखा लचीलापन गठबंधन के साथ दुबई में एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में लॉन्च किया गया था।
  - यह रिपोर्ट सेनेगल और स्पेन की सरकारों के नेतृत्व में गठबंधन, सूखे के लचीलेपन को बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों पर केंद्रित है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

2 December, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रपति कॉलर (Colour) पुरस्कार

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने पुणे स्थित सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (AFMC) को राष्ट्रपति सम्मान (राष्ट्रपति कॉलर पुरस्कार) प्रदान किया है।

राष्ट्रपति कॉलर (Colour) पुरस्कार के बारे में:

- राष्ट्रपति कॉलर (Colour) पुरस्कार भारत की एक सैन्य इकाई, सैन्य प्रशिक्षण संस्थान या राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पुलिस बल को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
- यह युद्ध और शांति दोनों में देश के लिए असाधारण सेवा के लिए दिया जाता है।
- इस पुरस्कार को हिंदी में **"राष्ट्रपति निशान"** के रूप में भी जाना जाता है।
- इसे 23 नवंबर, 1950 को नई पहचान मिली, जब ब्रिटिश भारतीय रेजिमेंट के "किंग्स कलर" को देहरादून के चेतवोड हॉल में सेवानिवृत्त कर दिया गया।
- भारतीय नौसेना को सबसे पहले राष्ट्रपति का सम्मान 27 मई, 1951 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद से प्राप्त हुआ था।
- कुछ राज्य जिन्हें राष्ट्रपति कॉलर (Colour) पुरस्कार प्राप्त हुआ है, उनमें उत्तर प्रदेश पुलिस, दिल्ली पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, जम्मू और कश्मीर पुलिस आदि शामिल हैं।
- कुछ सैन्य इकाइयाँ जिन्हें राष्ट्रपति कॉलर (Colour) पुरस्कार प्राप्त हुआ है उनमें नागा रेजिमेंट की तीसरी बटालियन, आईएनएस वलसुरा और आईएनएस द्रोणाचार्य शामिल हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

हाल ही में काजीरंगा नेशनल पार्क में एक गैंडे को आदिम भाले से मार डाला गया।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम के गोलाघाट और नागांव जिलों में स्थित है।
- इसका गठन 1908 में मैरी कर्जन की सिफारिश पर किया गया था और 1985 में इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त हुआ।
- इसे 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- इसे 2006 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।

वनस्पति: काजीरंगा में ऊंचाई में भिन्नता के कारण चार अलग-अलग प्रकार की वनस्पतियां पाई जाती हैं, जिनमें कुंभी, आंवला, कपास के पेड़ और हाथी सेब जैसे पेड़ शामिल हैं।

जीव-जंतु: भारतीय गैंडे के अलावा, बाघ, तेंदुए, हाथी, गिब्बन, स्लॉथ भालू और कई प्रवासी पक्षी प्रजातियों को आश्रय देता है।

नदी: डिफ्लू नदी भी असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है।

आतंकवाद निरोधक अधिनियम

हाल ही में श्रीलंकाई पुलिस द्वारा आतंकवाद निरोधक अधिनियम के तहत कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) के बारे में:

- आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) 2002 में भारतीय संसद द्वारा पारित किया गया था।
- इस अधिनियम का उद्देश्य भारत में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के जवाब में आतंकवाद विरोधी अभियानों को मजबूत करना था।
- मानवाधिकारों के उल्लंघन के संबंध में चिंताएँ उठाए जाने के बाद यूपीए द्वारा 2004 में इस अधिनियम को निरस्त कर दिया गया था।

पृष्ठभूमि:

- आतंकवाद निरोधक अधिनियम 1979 में राष्ट्रपति **जे.आर. जयवर्धने** के कार्यकाल के दौरान मुख्य रूप से राज्य भेदभाव के खिलाफ तमिल युवाओं के सशस्त्र संघर्ष को कुचलने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- 1982 में यह एक स्थायी कानून बन गया।
- इस कानून का इस्तेमाल 1980 के दशक के अंत में जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के दूसरे विद्रोह के दौरान विद्रोही सिंहली युवाओं के खिलाफ भी किया गया था और हाल ही में, 2019 के ईस्टर रविवार के आतंकवादी हमलों के मद्देनजर इसका उपयोग मुस्लिम आतंकियों किरुद्ध भी किया गया था।

लाल स्वर्ण

हाल ही में, भारत में केसर का उत्पादन, जिसे **'लाल सोना'** कहा जाता है, कश्मीर में जलवायु परिवर्तन, भूमि की कमी और श्रम मुद्दों के कारण घट रहा है।

लाल सोने के बारे में:

- दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक, केसर को इसके चमकीले लाल रंग और अत्यधिक मूल्य के कारण "लाल सोना" भी कहा जाता है।
- यह क्रोकस फूल के स्टिग्मा (stigma) से प्राप्त होता है।
- स्टिग्मा (stigma) आमतौर पर नारंगी-लाल रंग के होते हैं जो क्रोसेटिन, एक प्रकार के एसिड और क्रोसिन की सामग्री के कारण होता है।
- कुछ ग्राम केसर के लिए हजारों फूलों की आवश्यकता होती है।
- इसमें खनिज पदार्थ भी प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिनमें पोटेशियम, मैंगनीज, लोहा, कैल्शियम, सेलेनियम, तांबा, जस्ता और मैग्नीशियम शामिल हैं।
- इसमें फोलिक एसिड, नियासिन, राइबोफ्लेविन और विटामिन ए और सी भी प्रचुर मात्रा में होता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

प्रेस मड

हाल ही में, यह देखा गया है कि गन्ने का उप-उत्पाद, प्रेस मड, 2,484 करोड़ रुपये के मूल्य के 460,000 टन संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) उत्पन्न कर सकता है।

प्रेस मड के बारे में:

- प्रेस मड चीनी उद्योग का अपशिष्ट उप-उत्पाद है।
- इसे फिल्टर केक, प्रेस केक या ओलिवर केक के नाम से भी जाना जाता है।
- यह रस शोधन प्रक्रिया के बाद बचा हुआ अवशेष है।
- मुख्य उत्पाद साफ़ रस है और अशुद्धियाँ नीचे बैठ जाती हैं।
- इसका उपयोग संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) उत्पन्न करने के लिए भी किया जा सकता है।
- इसके कई अनुप्रयोग हैं, जिनमें उर्वरक, रसायनों का निष्कर्षण, बायोसॉर्बेंट, फसलें और बागवानी, पशु चारा, सीमेंट का निर्माण आदि शामिल हैं।

समाचार में व्यक्तित्व

मलेशिया

हाल ही में, मलेशिया ने दिसंबर से भारतीयों के लिए वीज़ा-मुक्त प्रवेश की शुरुआत करके एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन किया है।

मलेशिया (राजधानी: कुआलालम्पुर)

अवस्थिति: मलेशिया दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है और इसमें तीन संघीय क्षेत्रों के साथ 13 राज्य शामिल हैं।

राजनीतिक सीमाएँ: मलेशिया की भूमि सीमाएँ उत्तर में थाईलैंड और ब्रुनेई, दक्षिण में सिंगापुर और दक्षिण-पश्चिम में इंडोनेशिया से लगती हैं।

भौतिक विशेषताऐं:

- मलेशिया की प्रमुख नदियों में पहांग, सारावाक, राजंग और किनाबाटांगन शामिल हैं।
- माउंट किनाबालु मलेशिया का सबसे ऊँचा स्थान है, जो समुद्र तल से प्रभावशाली 4100 मीटर की ऊँचाई पर है।
- बेरा झील दक्षिण पश्चिम पहांग में एक प्राकृतिक मीठे पानी की झील प्रणाली है।

POINTS TO PONDER

- 2025 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (**UNFCCC**) के लिए पार्टियों का 30वां सम्मेलन (**COP**30) कहाँ आयोजित होगा ? - **ब्राज़ील**
- कौन सी नदी अमेज़न नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है? - **नीग्रो नदी**
- किस संगठन को एकमात्र त्रिपक्षीय संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में मान्यता प्राप्त है जिसमें सरकार, नियोक्ता और श्रमिक प्रतिनिधि शामिल हैं? - **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन** (ILO)
- सैम होर्मूसजी फ्रामजी जमशेदजी मानेकशॉ को किस युद्ध में सेना मुख्यालय के सैन्य संचालन निदेशालय को सौंपा गया था? - **1947- 48 कश्मीर युद्ध**
- कौन सा कानूनी आधार भारत के चुनाव आयोग को एग्जिट पोल के संचालन और प्रकाशन के संबंध में दिशानिर्देश जारी करने की अनुमति देता है? - **अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व (आर.पी.) अधिनियम, 1951 की धारा 126ए**